हिन्दी साहित्य
पाठ्यक्रम (सी0बी0सी0एस0)

कोर्स कोड		एम0ए0 प्रथम सेमेस्टर	Maximum Marks (100)		Maximum Credits (20)
			CIE	ETE	
A010701T	Core	प्राचीनकाव्य	25	75	5 Credits
A010702T	Core	भक्तिकाव्य	25	75	5 Credits
A010703T	Core	रीतिकाव्य	25	75	5 Credits
A010704T	First Elective (Choose any one)	आधुनिक गद्य (निबंध एवं नाटक)	25	75	5 Credits
A010705T		आत्मकथा, जीवनी तथा अन्य गद्य विधाएं			
A010706P	Second Elective (Choose any one)	स्वंय का संस्मरण रिपोरताज, लेखक के साथ साक्षातकार, आदि विषय में 8000 शब्दों में लेखन	50	50	4 Credits
A010707P		परियोजना प्रस्तुति (आदिकाल से मध्यकाल) के किसी कवि य लेखक एवं रचना से सम्बन्धित			

(डॉ0 आशुतोष कुमार सिंह)
संयोजक
पाठ्यक्रम समिति

प्रो0 राजेन्द्र सिंह (रज्जू भय्या) विश्वविद्यालय, प्रयागराज, उ0प्र0
(पूर्ववर्ती इलाहाबाद राज्य विश्वविद्यालय)
Prof. Rajendra Singh (Rajju Bhaiya) University, Prayagraj, U.P.
(Formerly Allahabad State University)

हिन्दी साहित्य
पाठ्यक्रम (सी0बी0सी0एस0)

कोर्स कोड		एम0ए0 द्वितीय सेमेस्टर	Maximum Marks (100)		Maximum Credits (20)
			CIE	ETE	
A0108011T	Core	हिन्दी कथा साहित्य (उपन्यास एवं कहानी)	25	75	5 Credits
A0108021T	Core	भारतीय काव्यशास्त्र	25	75	5 Credits
A0108031T	Core	पाश्चात्य काव्यशास्त्र	25	75	5 Credits
A0108041T	Third Elective (Choose any one)	भारतीय साहित्य का स्वरूप	25	75	5 Credits
A0108051T		प्रयोजनमूलक हिन्दी			
A0108061P	Fourth Elective (Choose any one)	हिन्दी कथा साहित्य एवं प्रयोजनमूलक हिन्दी से सम्बन्धित परियोजना प्रस्तुति	50	50	4 Credits
A0108071P		न्यूनतम 05 सेमिनार एवं उसकी प्रस्तुति			

(डॉ0 आशुतोष कुमार सिंह)
संयोजक
पाठ्यक्रम समिति

हिन्दी साहित्य
पाठ्यक्रम (सी0बी0सी0एस0)

कोर्स कोड		एम0ए0 तृतीय सेमेस्टर	Maximum Marks (100)		Maximum Credits (20)
			CIE	ETE	
A010901T	Core	हिन्दी साहित्य का इतिहास (आरम्भ से रीतिकाल)	25	75	5 Credits
A010902T	Core	हिन्दी साहित्य का इतिहास (भारतेन्दु युग से अब तक)	25	75	5 Credits
A010903T	Core	भाषा विज्ञान	25	75	5 Credits
A010904T	Fifth Elective (Choose any one)	हिन्दी : भाषा एवं लिपि	25	75	5 Credits
A010905T		हिन्दी अनुवाद			
A010906P	Sixth Elective (Choose any one)	भाषा एवं लिपि पर लघु शोध परियोजना का निमार्ण	50	50	4 Credits
A010907P		अनुवाद पर कार्यशाला सेमिनार प्रस्तुति			

(डॉ0 आशुतोष कुमार सिंह)
संयोजक
पाठ्यक्रम समिति

हिन्दी साहित्य
पाठ्यक्रम (सी0बी0सी0एस0)

कोर्स कोड		एम0ए0 चतुर्थ सेमेस्टर	Maximum Marks (100)		Maximum Credits (20)
			CIE	ETE	
A011001T	Core	आधुनिक काव्य (छायावाद तक)	25	75	5 Credits
A011002T	Core	छायावादोत्तर काव्य	25	75	5 Credits
A011003T	Generic Elective (Choose any one)	हिन्दी सृजनात्मक लेखन	25	75	4 Credits
A011004T		हिन्दी सिनेमा और साहित्य			
A011005R	MRP	दीर्घ शोध परियोजना	50	50	10 Credits

(डॉ0 आशुतोष कुमार सिंह)
संयोजक
पाठ्यक्रम समिति

एम0ए0 प्रथम सेमेस्टर
प्रथम प्रश्न पत्र – प्राचीन काव्य

पूर्णांक 100 क्रेडिट–05

निर्धारित कवि और काव्य :

1. चन्दवरदाई : पृथ्वीराज रासो का एक समयरेवा तट– सं0 हजारी प्रसाद द्विवेदी
2. विद्यापति : पद– 1, 2, 4, 7, 8, 9, 11, 13, 17, 19, 20, 21, 23, 24, 29, 31, 33, 41, 46, 47, (20 पद) विद्यापति संचयन – सं0 डॉ0 लालसा यादव
3. अमीर खुसरो : चयनित दोहा (आरम्भ से 10) खुसरो की पहेलियाँ और मुकरियाँ
4. बीसल देव रासो (आरम्भ से 10 तक) सम्पादक माता प्रसाद गुप्त, हिन्दी परिषद प्रकाशन

पाठ्यपुस्तक : प्राचीन काव्यसंग्रह

1. सम्पादक– डॉ0 आशुतोष कुमार सिंह, अध्यक्ष, हिन्दी विभाग, प्रो0 राजेन्द्र सिंह (रज्जू भय्या) विश्वविद्यालय, प्रयागराज।
2. सह–सम्पादक –प्रो0 सविता श्रीवास्तव
   प्रकाशक– लोक भारती प्रकाशन

सन्दर्भ –ग्रन्थ

1. हिन्दी साहित्य का आदिकाल : आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी
2. हिन्दी के विकास में अपभ्रंश का योगदान : डॉ0 नामवर सिंह
3. कीर्तिलता और अवहट्ट : डॉ0 शिवप्रसाद सिंह
4. विद्यापति : डॉ0 आनन्दप्रकाश दीक्षित
5. विद्यापति : डॉ0 शिवप्रसाद सिंह
6. विद्यापति : व्यक्ति और कवि : डॉ0 रामसजन पाण्डेय
7. विद्यापति का सौन्दर्यबोध : डॉ0 रामसजन पाण्डेय
8. महाकवि विद्यापति : डॉ0 जयनाथ नलिन
9. हिन्दी साहित्य का इतिहास : रामचन्द्र शुक्ल
10. हिन्दी साहित्य का इतिहास : (सं0) डॉ0 नगेन्द्र

एम0ए0 प्रथम सेमेस्टर
द्वितीय प्रश्न पत्र – भक्ति काव्य

पूर्णांक 100 | क्रेडिट–05

1. कबीरदास : कबीर–ग्रन्थावली (सम्पादकःहजारी प्रसाद द्विवेदी) पद संख्या 160–200
2. जायसी : 'पदमावत' (सम्पादक : रामचन्द्र शुक्ल) – नागमती वियोग खण्ड
3. सूरदास : 'भ्रमर गीत सार' (सम्पादक : रामचन्द्र शुक्ल) पद 20–40 (कुल 20 पद)
4. तुलसीदास : 'उत्तर काण्ड' (गीता प्रेस)
5. मीरबाई (मीरा : सं0 विश्वनाथ त्रिपाठी, आरंभ से 20 पद)

पाठ्यपुस्तक : प्राचीन काव्यसंग्रह
1. सम्पादक– डॉ0 आशुतोष कुमार सिंह, अध्यक्ष, हिन्दी विभाग, प्रो0 राजेन्द्र सिंह (रज्जू भय्या) विश्वविद्यालय, प्रयागराज।
2. सह–सम्पादक– डॉ0 कुमार वीरेन्द्र
   प्रकाशक– लोक भारती प्रकाशन

सन्दर्भ –ग्रन्थ

1. मध्ययुगीन काव्यसाधना : डॉ0 रामचन्द्र तिवारी
2. हिन्दी काव्य में निर्गुण सम्प्रदाय : डॉ0 पीताम्बरदत्त बड़थ्वाल
3. कबीर : आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी
4. कबीर–मीमांसा : डॉ0 रामचन्द्र तिवारी
5. कबीर–साहित्य की परख : परशुराम चतुर्वेदी
6. कबीर की विचारधारा : डॉ0 गोविन्द त्रिगुणायत
7. कबीर और जायसी : डॉ0 शिवमूर्ति शर्मा
8. पदमावत का काव्य सौन्दर्य : डा0 शिव सहाय पाठक
9. जायसी : डॉ0 विजयदेव नारायण साही
10. पदमावत : वासुदेवशरण अग्रवाल
11. अष्टछाप और बल्लभ–सम्प्रदाय : डॉ0 दीनदयालु गुप्त
12. सूरदास : आचार्य रामचन्द्र शुक्ल
13. सूर का काव्यवैभव : डॉ0 मुंशीराम शर्मा
14. महाकवि सूरदास : आचार्य नन्ददुलारे बाजपेयी
15. सूर और उनका साहित्य : डॉ0 हरबंश लाल शर्मा
16. सूर का श्रृंगार वर्णन : डॉ0 रमाशंकर तिवारी
17. भ्रमरगीत सार (भूमिका) : आचार्य रामचन्द्र शुक्ल
18. तुलसी दर्शन : डॉ0 बलदेव प्रसाद मिश्र
19. रामकथा : उत्पत्ति और विकास : डॉ0 कामिल बुल्के
20. तुलसीदास : आचार्य रामचन्द्र शुक्ल
21. तुलसी काव्य मीमांसा : डॉ0 उदयभानु सिंह
22. तुलसीदास और उनका युग डॉ0 राजपति दीक्षित
23. त्रिवेणी : आचार्य रामचन्द्र शुक्ल
24. तुलसीदास : माता प्रसाद गुप्त

25. हिन्दी साहित्य का इतिहास : आचार्य रामचन्द्र शुक्ल
26. अकथ कहानी प्रेम की : पुरूषोत्तम अग्रवाल
27. पद्मावत मानुष प्रेम भयउ बैकुन्ठी : पुरूषोत्तम अग्रवाल
28. पचरंग चोला पहन सखीरी : माधव हाड़ा
29. सब लिखनी कै लिखु संसारा : पद्मावत और जायसी की दुनिया – मुजीव रिज़वी

एम0ए0 प्रथम सेमेस्टर
तृतीय प्रश्न पत्र : रीतिकाव्य – संग्रह

पूर्णांक 100 क्रेडिट–05

1. केशवदास : सम्पादक विजयपाल सिंह (लोक भारती प्रकाशन)आरम्भ से20 छन्द
2. बिहारी : 'बिहारी–रत्नाकर' (सम्पादक : जगन्नाथदास 'रत्नाकर') 1 से 40 दोहे
3. घनानन्द : 'घनानन्द कवित्त' (सम्पादक : विश्वनाथप्रसाद मिश्र) कविता संख्या 1–20
4. गुरू गोविन्द सिंह – देहु शिवा वर मोहि इहे, वाण चले तेई कुंकुम मानो, यों सुनि के बतियान तिह की

पाठ्यपुस्तक : रीतिकाव्यसंग्रह

1. सम्पादक– डॉ0 आशुतोष कुमार सिंह, अध्यक्ष, हिन्दी विभाग, प्रो0 राजेन्द्र सिंह (रज्जू भय्या) विश्वविद्यालय, प्रयागराज।
2. सह–सम्पादक–प्रो0 रमेश चन्द्र शुक्ल एवं डॉ0 अवधेश कुमार शुक्ल
   प्रकाशक– लोक भारती प्रकाशन

सन्दर्भ –ग्रन्थ

1. रीतिकालीन साहित्य का पुनर्मूल्यांकन : डॉ0 रामकुमार वर्मा
2. बिहारी : आचार्य विश्वनाथ प्रसाद मिश्र
3. हिन्दी काव्य में श्रृंगारपरम्परा और बिहारी : डॉ0 गणपतिचन्द्र गुप्त
4. बिहारी का काव्य लालित्य : डॉ0 रमाशंकर तिवारी
5. बिहारी सतसई : जगन्नाथदास 'रत्नाकर'
6. बिहारी के काव्य का पुनर्मूल्यांकन : डॉ0 रामदेव शुक्ल
7. केशव का आचार्यत्व : डॉ0 विजयपाल सिंह
8. आचार्य केशवदास : डॉ0 हीरालाल दीक्षित
9. हिन्दी साहित्य का इतिहास : आचार्य रामचन्द्र शुक्ल
10. हिन्दी साहित्य का इतिहास : (सं0) डॉ नगेन्द्र
11. गुरू गोविन्द सिंह और उनका काव्य : डॉ0 महीप सिंह

एम0ए0 प्रथम सेमेस्टर–प्रथम ऐच्छिक
चतुर्थ प्रश्न पत्र : आधुनिक गद्य (निबन्ध एवं नाटक)

पूर्णांक 100 क्रेडिट–05

निर्धारित पाठ्यक्रम :

(क) निबन्ध

1. भारतेन्दु–दिल्ली दरबार दर्पण
2. अध्यापक पूर्ण सिंह –मजदूरी और प्रेम
3. प्रताप नारायण मिश्र–शिवमूर्ति
4. आचार्य रामचन्द्र शुक्ल – लोभ और प्रीति
5. डा0 हजारीप्रसाद द्विवेदी –नाखून क्यों बढ़ते है
6. डॉ0 विद्यानिवास मिश्र –मेरे राम का मुकुट भीग रहा है
7. कुबेरनाथराय – गंधमादन

पाठ्यपुस्तक का नाम : प्रतिनिधि निबन्ध एवं कहानियाँ

1. सम्पादक– डॉ0 आशुतोष कुमार सिंह, अध्यक्ष, हिन्दी विभाग, प्रो0 राजेन्द्र सिंह (रज्जू भय्या) विश्वविद्यालय, प्रयागराज।
2. सह–सम्पादक–प्रो0 प्रभाकर सिंह एवं प्रो0 रमेश चन्द्र शुक्ल
   प्रकाशक– लोक भारती प्रकाशन

(ख) नाटक :

भारतेन्दु हरिश्चन्द्र : अंधेर नगरी, भारत दुर्दशा
अथवा
मोहन राकेशः आधे–अधूरे

सन्दर्भ –ग्रन्थ

1. हिन्दी का गद्य साहित्य : डॉ0 रामचन्द्र तिवारी
2. निबन्ध : सिद्धांत और प्रयोग : डॉ0 हरिहरनाथ द्विवेदी
3. आचार्य रामचन्द्र शुक्ल : डॉ0 जयचन्द्र राय
4. आचार्य रामचन्द्र शुक्ल : डॉ0 रामचन्द्र तिवारी
5. आचार्य शुक्ल : सन्दर्भ और दृष्टि : डॉ0 जगदीशनारायण 'पंकज'
6. लोक जागरण और आचार्य रामचन्द्र शुक्ल : डॉ0 रामविलास शर्मा
7. आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी : डॉ0 विश्वनाथ प्रसाद तिवारी
8. हिन्दी नाटक : उद्भव और विकास : डॉ0 दशरथ ओझा
9. हिन्दी नाटक साहित्य का इतिहास : डॉ0 सोमनाथ गुप्त
10. प्रसाद के नाटकों का शास्त्रीय अध्ययन : डॉ0 जगन्नाथ प्रसाद शर्मा
11. प्रसाद के ऐतिहासिक नाटक : डॉ0 जगदीशचन्द्र जोशी
12. हिन्दी में ललित निबन्ध : डॉ0 ललित व्यास
13. हिन्दी निबंध का विकास : मधुरेश

एम0ए0 प्रथम सेमेस्टर–प्रथम एच्छिक
चतुर्थ प्रश्न पत्र : आत्मकथा, जीवनी तथा अन्य गद्य विधाएं

पूर्णांक 100 क्रेडिट–05

रामवृक्ष बेनीपुरी – माटी की मूरतें
महादेवी वर्मा – ठकुरी बाबा
तुलसीराम – मुर्दहिया
शिवरानी देवी – प्रेमचन्द घर में
मन्नू भंडारी – एक कहानी यह भी
विष्णु प्रभाकर – आवारा मसीहा
हरिवंशराय बच्चन – क्या भूलूँ क्या याद करूँ
हरिशंकर परसाई – भोलाराम का जीव

1. सम्पादक– डॉ0 आशुतोष कुमार सिंह, अध्यक्ष, हिन्दी विभाग, प्रो0 राजेन्द्र सिंह (रज्जू भय्या) विश्वविद्यालय, प्रयागराज।
2. सह सम्पादक–प्रो0 सविता कुमारी श्रीवास्तव एवं डॉ0 अल्का मिश्रा
   प्रकाशक– लोक भारती प्रकाशन

संदर्भ ग्रन्थ

1. हिन्दी गद्य साहित्य का इतिहास–रामचन्द्र तिवारी
2. महादेवी वर्मा–दूधनाथ सिंह
3. प्रेमचन्द और उनका युग–रामविलास शर्मा
4. तुम्हारा परसाई–कांति कुमार जैन
5. हरिवंश राय बच्चन–अजित कुमार
6. आत्मकथा की संस्कृति–पंकज चतुर्वेदी
7. कथेतर गद्य–माधव हाड़ा

एम0ए0 प्रथम सेमेस्टर
पंचम प्रश्न पत्र : सेकेन्ड इलेक्टिव

पूर्णांक 100 क्रेडिट–04

विद्यार्थियों द्वारा किसी एतिहासिक अथवा धार्मिक स्थलों का संस्मरण लेखन न्युन्तम आठ हजार शब्दों में। किसी घटना अथवा विषय पर रिपोताज लेखन स्थानीय या राष्ट्रीय लेखकों का साक्षात्कार

अथवा

परियोजना प्रस्तुति करना (विषय–पृथवीराज रासो, आज का समय एवं कबीर। रामचरितमानस के विविध आयाम, पदमावत, सिद्व–नाथ साहित्य सगुण एवं निर्गुण काव्यधारा, सूफी काव्य)

प्रो0 राजेन्द्र सिंह (रज्जू भय्या) विष्वविद्यालय, प्रयागराज, उ0प्र0
(पूर्ववर्ती इलाहाबाद राज्य विष्वविद्यालय)
Prof. Rajendra Singh (Rajju Bhaiya) University, Prayagraj, U.P.
(Formerly Allahabad State University)

एम0ए0 द्वितीय सेमेस्टर
प्रश्न पत्र : हिन्दी कथा साहित्य (उपन्यास एवं कहानी)

पूर्णांक 100 क्रेडिट–05

(क) उपन्यास :

गोदान – प्रेमचन्द
अथवा
मैला ऑचल – फणीश्वरनाथ रेणु

(ख) निर्धारित कहानीकार एवं उनकी कहानियां

1. चन्द्रधर शर्मा 'गुलेरी' – उसने कहा था
2. जयशंकर प्रसाद– आकाशदीप
3. प्रेमचन्द – दुनिया का अनमोल रतन
4. जैनेन्द्र कुमार – अपना–अपना भाग्य
5. निर्मल वर्मा – परिन्दे
6. ज्ञान रंजन–पिता
7. भीष्म साहनी– चीफ की दावत
8. शेखर जोशी–कोसी का घटवार
9. सुभद्रा कुमारी चौहान–राही
10. कमलेश्वर–राजा निरबंसिया
11. अमरकांत–डिप्टी कलेक्टरी

पाठ्यपुस्तक का नाम : प्रतिनिधि निबन्ध एवं कहानियाँ

1. सम्पादक– डॉ0 आशुतोष कुमार सिंह, अध्यक्ष, हिन्दी विभाग, प्रो0 राजेन्द्र सिंह (रज्जू भय्या) विश्वविद्यालय, प्रयागराज।
2. सह–सम्पादक– प्रो0 प्रभाकर सिंह
   प्रकाशक– लोक भारती प्रकाशन

सन्दर्भ –ग्रन्थ

1. प्रेमचन्द और उनका युग : डॉ0 रामविलास शर्मा
2. गोदान : डॉ0 इन्द्रनाथमदान
3. हिन्दी उपन्यास : डॉ0 शिवनारायण श्रीवास्तव
4. हिन्दी उपन्यास और यथार्थवाद : डॉ0 त्रिभुवन सिंह
5. हिन्दी उपन्यास : शिल्प और प्रयोग : डॉ0 त्रिभुवन सिंह
6. गोदान : नया परिप्रेक्ष्य : डॉ0 गोपाल राय
7. गोदान : कुछ सन्दर्भ : डॉ0 कमलेश कुमार गुप्ता
8. हिन्दी कहानियों का विवेचनात्मक अध्ययन : डॉ0 ब्रम्हदेव शर्मा
9. हिन्दी कहानी : रचना और प्रक्रिया : डॉ0 परमानंद श्रीवास्तव
10. हिन्दी कहानी : उद्भव और विकास : डॉ0 सुरेश सिन्हा
11. हिन्दी कहानियों की शिल्पविधि का विकास : डॉ0 लक्ष्मीनारायण लाल
12. अपने अपने अज्ञेय : ओम थानवी
13. अज्ञेय : (सं0) डॉ0 विश्वनाथ प्रसाद तिवारी
14. हिन्दी के साहित्य निर्माताः अज्ञेय : प्रभाकर माचवे
15. शिखर से सागर तक : डॉ0 रामकमल राय

16. अज्ञेय एवं आधुनिक रचना की समस्या : डॉ0 रामस्वरूप चतुर्वेदी
17. अज्ञेय : सौन्दर्य संधारणा : डॉ0 दुर्गा प्रसाद ओझा
18. मैला आंचल रचना प्रक्रिया : देवेश ठाकुर
19. अज्ञेय : सं0 हितेश कुमार सिंह
20. हिन्दी कहानी की रचना प्रक्रिया : सुरेन्द्र चौधरी

प्रो0 राजेन्द्र सिंह (रज्जू भय्या) विष्वविद्यालय, प्रयागराज, उ0प्र0
(पूर्ववर्ती इलाहाबाद राज्य विष्वविद्यालय)
Prof. Rajendra Singh (Rajju Bhaiya) University, Prayagraj, U.P.
(Formerly Allahabad State University)

एम0ए0 द्वितीय सेमेस्टर
द्वितीय प्रश्न पत्र : भारतीय काव्यशास्त्र

पूर्णांक 100 क्रेडिट–05

पाठ्य विषय :

(क) भारतीय काव्यशास्त्र – भारतीय काव्यशास्त्र की परम्परा, काव्य का स्वरूप, (काव्य–लक्षण), काव्य की आत्मा, काव्य हेतु, काव्य प्रयोजन, काव्य भेद (प्रकार), काव्य गुण, काव्य दोष, शब्द शक्ति । भारतीयकाव्य सिद्धान्त – रस के अवयव, रस निष्पत्ति एवं साधारणीकरण, रीति, अलंकार, वक्रोक्ति, ध्वनि और औचित्य सिद्धांत।

(ख) हिन्दी आलोचना : हिन्दी आलोचना का विकास, प्रमुख हिन्दी आलोचक औरउनकी मान्यताएं : आचार्य रामचन्द्र शुक्ल, नन्ददुलारे बाजपेयी, आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी, डॉ0 नगेन्द्र , डॉ0 रामविलास शर्मा, मुक्तिबोध, डॉ0 नामवर सिंह

सन्दर्भ –ग्रन्थ

1. भारतीय काव्यशास्त्र : डॉ0 कृष्णवल
2. भारतीय साहित्यशास्त्र : आचार्य बलदेव उपाध्याय
3. काव्यशास्त्र : डॉ0 भगीरथ मिश्र
4. भारतीयकाव्यशास्त्र की परम्परा : डॉ0 नगेन्द्र
5. साहित्यालोचन : डॉ0 श्यामसुन्दर दास
6. सिद्धांत औरअध्ययन : बाबू गुलाबराय
7. रस–मीमांसा : आचार्य रामचन्द्र शुक्ल
8. काव्यशास्त्र विमर्श : डॉ0 राममूर्ति त्रिपाठी
9. रस सिद्धांत और सौन्दर्यशास्त्र : डॉ0 निर्मला जैन
10. रीतिकाव्य की भूमिका : डॉ0 नगेन्द्र
11. काव्य रस : चिन्तन और आस्वाद : डॉ0 भगीरथ मिश्र
12. भारतीय काव्यशास्त्र : डॉ0 योगेन्द्र प्रताप सिंह
13. भारतीय काव्यशास्त्र का इतिहास : डॉ0 तारकनाथ बाली
14. भारतीय काव्यशास्त्र : डॉ0 हरिश्चन्द्र वर्मा
15. रस–सिद्धांत : डॉ0 नगेन्द्र
16. रीति और शैली : आचार्य नन्ददुलारे वाजपेयी
17. भारतीय काव्यशास्त्र, पाश्चात्य काव्यशास्त्र और हिन्दी – आलोचना : डॉ0 रामचन्द्र तिवारी
18. हिन्दी–आलोचना का विकास : नन्दकिशोर नवल
19. हिन्दी आलोचना : शिखरों से साक्षात्कार : डॉ0 रामचन्द्र तिवारी
20. हिन्दी आलोचना : डॉ0 विश्वनाथ त्रिपाठी
21. आलोचक औरआलोचना : डॉ0 बच्चन सिंह
22. आलोचना के रचना पुरूष : (सं0) भारत यायावर
23. आचार्य रामचन्द्र शुक्ल : मलयज
24. आचार्य रामचन्द्र शुक्ल आलोचना का अर्थ और अर्थ की आलोचना : डॉ0 रामस्वरूप चतुर्वेदी
25. हिन्दी आलोचना की परम्परा और आचार्य रामचन्द्र शुक्ल : डॉ0 शिवकुमार मिश्र
26. हिन्दी आलोचना के बीच शब्द : डॉ0 बच्चन सिंह

27. देशज काव्यशास्त्र की निर्मिति : डॉ0 अविनाश कुमार सिंह

प्रो0 राजेन्द्र सिंह (रज्जू भय्या) विष्वविद्यालय, प्रयागराज, उ0प्र0
(पूर्ववर्ती इलाहाबाद राज्य विष्वविद्यालय)
Prof. Rajendra Singh (Rajju Bhaiya) University, Prayagraj, U.P.
(Formerly Allahabad State University)

एम0ए0 द्वितीय सेमेस्टर
तृतीय प्रश्न पत्र : पाश्चात्य काव्यशास्त्र

पूर्णांक 100 क्रेडिट–05

पाठ्य विषय :
(क) पाश्चात्य काव्यशास्त्र
प्लेटो का काव्य – सिद्धांत : अनुकृति–सिद्धांत
अरस्तू की काव्य विषयक मान्यताएँ : अनुकरण–सिद्धांत, विरेचन–सिद्धांत, त्रासदी–सिद्धांत ।
लॉजाइनस : उदात्त की अवधारणा।
टी0एस0 इलियट – निर्वैयक्तिकता का सिद्धांत, परम्परा और वैयक्तिक प्रज्ञा

(ख) आधुनिक आलोचना के प्रमुख वाद : स्वच्छन्दतावाद, शास्त्रीयतावाद, मार्क्सवाद, मनोविश्लेषणवाद,अस्तित्ववाद, संरचनावाद, विखण्डनवाद, बिम्बवाद, प्रतीकवाद, साहित्य का समाजशास्त्र।

सन्दर्भ –ग्रन्थ

1. पाश्चात्य काव्यशास्त्र : प्रो0 देवेन्द्रनाथ शर्मा
2. पाश्चात्य काव्यशास्त्र : डॉ0 भगीरथ मिश्र
3. प्लेटो के काव्य–सिद्धांत : डॉ0 निर्मला जैन
4. अरस्तू का काव्यशास्त्र : डॉ0 नगेन्द्र
5. अस्तित्ववाद–कीर्केगार्द से कामू तक : योगेन्द्र साही
6. पाश्चात्य समीक्षा सिद्धांत और वाद : डॉ0 सत्यदेव मिश्र
7. उदात्त के विषय में : डॉ0 निर्मला जैन
8. पाश्चात्य साहित्यालोचन और हिन्दी पर उसका प्रभाव : डॉ0 रविन्द्रसाहाय वर्मा
9. पाश्चात्य काव्यशास्त्र का इतिहास : डॉ0 तारकनाथ बाली
10. पाश्चात्य काव्यशास्त्र : डॉ0 योगेन्द्र प्रताप सिंह
11. नयी समीक्षा के प्रतिमान : (सं0) निर्मला जैन
12. उत्तर आधुनिकता : स्वरूप और आयाम : बैजनाथ सिंघल
13. त्रासदी : डॉ0 हरद्वारी लाल शर्मा
14. भारतीय एवं पाश्चात्य काव्यशास्त्र की रूपरेखा : डॉ0 रामचन्द्र तिवारी

प्रो0 राजेन्द्र सिंह (रज्जू भय्या) विष्वविद्यालय, प्रयागराज, उ0प्र0
(पूर्ववर्ती इलाहाबाद राज्य विष्वविद्यालय)
Prof. Rajendra Singh (Rajju Bhaiya) University, Prayagraj, U.P.
(Formerly Allahabad State University)

एम0ए0 द्वितीय सेमेस्टर
चतुर्थ प्रश्न पत्र : भारतीय साहित्य का स्वरूप–तृतीय ऐच्छिक विषय

पूर्णांक 100 क्रेडिट–05

निर्धारित पाठ्यक्रम :

1. भारतीय साहित्य की अवधारणा, स्वरूप एवं विशेषताएं।
2. भारतीय साहित्य के अध्ययन की समस्याएँ।
3. प्रतिनिधि उपन्यास – संस्कार (यू0आर0 अनन्तमूर्ति)
   आग का दरिया (कुर्रतुल ऐन हैदर)
   वर्षा की सुबह–(सीताकान्त महापात्र)
4. प्रतिनिधि नाटक – घासीराम कोतवाल (विजय तेन्दुलकर)
5. भारतीय साहित्य : चेतना के आयाम– राष्ट्रीयता, लोकतांत्रिक चेतना, धार्मिक चेतना, मूल्यबोध, परम्परा बोध और आधुनिकता।
6. हिन्दी साहित्य में भारतीय मूल्यों की अभिव्यक्ति

सन्दर्भ –ग्रन्थ

1. भारतीय साहित्य : (सं0) डॉ0 नगेन्द्र
2. मराठी भाषा और साहित्य : डॉ0 राजकमल बोरा
3. भारतीय साहित्य : स्थापनाएँ और प्रस्तावनाएँ : डॉ0 के0 सच्चिदानन्दन
4. 'चयनम्' : साहित्य अकादमी, नयी दिल्ली।
5. भारतीय साहित्य : डॉ0 लक्ष्मीकान्त पाण्डेय
6. भारतीय साहित्य : साहित्य अकादमी
7. भारतीय साहित्य की भूमिका : रामविलास शर्मा

प्रो0 राजेन्द्र सिंह (रज्जू भय्या) विष्वविद्यालय, प्रयागराज, उ0प्र0
(पूर्ववर्ती इलाहाबाद राज्य विष्वविद्यालय)
Prof. Rajendra Singh (Rajju Bhaiya) University, Prayagraj, U.P.
(Formerly Allahabad State University)

ऐच्छिक विषय (Subject Elective)
एम0ए0 द्वितीय सेमेस्टर
चतुर्थ प्रश्न–पत्र प्रयोजनमूलक हिंदी–तृतीय ऐच्क्षिक विषय

पूर्णांक 100 क्रेडिट–05

इकाई– 1 : प्रयोजनमूलक हिंदी : अभिप्राय और क्षेत्र

- अर्थ विस्तार, आवश्यकता और विशेषताएँ
- हिंदी की भूमिकाएँ : राजभाषा, संपर्क भाषा, साहित्यिक भाषा, संचार भाषा, माध्यम भाषा
- भारतीय भाषाएँ
- हिंदी की समृद्धि व प्रकार, हिंदी का वैविध्य
- हिंदी : मानकीकरण और आधुनिकीकरण की प्रक्रिया

इकाई– 2. जनसंचार में हिंदी :

- जनसंचार माध्यम : विविध आयाम
- जनसंचार माध्यम : विविध भाषिक रूप
- विज्ञापन और हिंदी

इकाई– 3. वैज्ञानिक और तकनीकी भाषा रूप :

- वैज्ञानिक और तकनीकी हिंदी की प्रयुक्तियाँ
- वैज्ञानिक और तकनीकी शब्दावली
- वैज्ञानिक और तकनीकी लेखन

इकाई– 4. प्रशासनिक पत्राचार, विविध रूप :

- प्रारूपण, कार्यालयी पत्राचार, संक्षेपण, टिप्पण, पल्लवन, प्रतिवेदन

प्रस्तावित पुस्तकें :

1. प्रयोजनमूलक हिंदी : दंगल झाल्टे
2. हिंदी भाषा का प्रयोजनमूलक स्वरूप : कैलाशचन्द्र भाटिया
3. प्रयोजनमूलक कामकाजी हिंदी : कैलाशचन्द्र भाटिया
4. भूमंडलीकरण, सूचना प्रौद्योगिकी और हिन्दी : संपादक– पूरनचंद टण्डन, सुनील कुमार तिवारी
5. प्रयोजनमूलक हिंदी : सिद्धांत और प्रयुक्ति : जितेन्द्र वत्स
6. प्रयोजनमूलक हिन्दी और व्यावहारिक पत्रकारिता : मुश्ताक अली

7. मीडिया और साहित्य–साहित्य रत्नालय कानपुर–प्रो0 योगेन्द्र प्रताप सिंह

एम0ए0 द्वितीय सेमेस्टर
पंचम प्रश्न पत्र– चतुर्थ इलेक्टिव

पूर्णांक 100 क्रेडिट–04

इसके अन्तर्गत विद्यार्थियों को लघु उपन्यास लेखन करना, मौलिक कहानी पर परियोजना देना, भारतीय संस्कृति के विविध आयामों पर लगभग बीस दस हजार शब्दों में अधिन्यास बनवाना एवं उसका मूल्यांकन करना

अथवा

गोदन एवं मैला आँचल जैसे फलदायी उपन्यासों पर संगोष्ठी आयोजित कराकर उसमें विद्यार्थियों की प्रस्तुति कराना।कहानी लेखन के उपर कार्यशाला का आयोजन कराना। कम से कम विश्वविद्यालय या महाविद्यालय विभाग स्तर 05 संगोष्ठी विद्यार्थि केन्द्रित आयोजित कराना। प्रयोजनमूलक हिंदी पर कार्यशाला आयोजित कर सरकारी पत्र, कार्यालय ज्ञाप, टिप्पणी लेखन, कार्यालय आदेश, प्ररूपण संक्षेपण आदि का अभ्यास कराना।

प्रो0 राजेन्द्र सिंह (रज्जू भय्या) विष्वविद्यालय, प्रयागराज, उ0प्र0
(पूर्ववर्ती इलाहाबाद राज्य विष्वविद्यालय)
Prof. Rajendra Singh (Rajju Bhaiya) University, Prayagraj, U.P.
(Formerly Allahabad State University)

एम0ए0 तृतीय सेमेस्टर
प्रथम प्रश्न पत्र : हिन्दी साहित्य का इतिहास (आरम्भ से रीतिकाल तक)

पूर्णांक 100 क्रेडिट–05

पाठ्य विषय :

- साहित्येतिहास की अवधारणा।
- हिन्दी साहित्य के इतिहास लेखन की परम्परा तथा मूल स्रोत।
- हिन्दी साहित्य के इतिहास लेखन की समस्याएँ।
- हिन्दी साहित्य का इतिहास : कालविभाजन और नामकरण की समस्याएँ।
- आदिकाल–विविध नामकरण, मुख्य साहित्यिक प्रवृत्तियां, प्रतिनिधि रचनाकर एवं उनकी रचनाएँ।
- भक्तिकाल (पूर्व मध्यकाल) भक्तिकाल की सामान्य विशेषताएँ, भक्तिकाल की विभिन्न काव्य धाराएँ – निर्गुण काव्यधारा : ज्ञानाश्रयी तथा प्रेमाश्रयी धारा, सगुण काव्यधारा : कृष्णभक्ति धारा तथा रामभक्ति धारा और उनकी सामान्य प्रवृत्तियां। भक्तिकाल के प्रमुख कवि और उनकी रचनाओं का वैशिष्ट्य।
- रीतिकाल (उत्तर मध्यकाल) नामकरण, रीतिकाल की विभिन्न धाराएँ – (रीतिबद्ध, रीतिसिद्ध और रीतिमुक्त काव्यधारा) और उनकी प्रवृत्तियां, रीतिकाल के प्रतिनिधि रचनाकर व उनकी रचनाएँ।

सन्दर्भ –ग्रन्थ

1. हिन्दी साहित्य का इतिहास : आचार्य रामचन्द्र शुक्ल
2. हिन्दी साहित्य का आदिकाल : आचार्य हजारीप्रसाद द्विवेदी
3. हिन्दी साहित्य का आलोचनात्मक इतिहास : डॉ0 रामकुमार वर्मा
4. हिन्दी साहित्य का इतिहास : डॉ0 नगेन्द्र
5. हिन्दी साहित्य के इतिहासों का इतिहास : डॉ0 किशोरी लाल गुप्त
6. भारतीय साहित्य के इतिहास की समस्याएँ : डॉ0 रामविलास शर्मा
7. हिन्दी साहित्य का अतीत : आचार्य विश्वनाथ प्रसाद मिश्र
8. हिन्दी साहित्य की भूमिका : आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी
9. हिन्दी साहित्य का उद्‌भव और विकास : डॉ0 हजारी प्रसाद द्विवेदी
10. हिन्दी साहित्य का वैज्ञानिक इतिहास : डॉ0 गणपति चन्द्र गुप्त
11. हिन्दी साहित्य का प्रवृत्यात्मक इतिहास : डॉ0 शिवमूर्ति शर्मा
12. सरोज–सर्वेक्षण : डॉ0 किशोरी लाल गुप्त
13. हिन्दी साहित्य की प्रवृत्तियाँ : डॉ0 जयकिशन प्रसाद खण्डेलवाल
14. हिन्दी साहित्य : एक परिचय : डॉ0 त्रिभुवन सिंह
15. आधुनिक साहित्य विकास और विमर्श : डॉ0 प्रभाकर सिंह
16. रीतिकाव्यःमूल्याकंन के नए आयाम : सं0 डॉ0 प्रभाकर सिंह

प्रो0 राजेन्द्र सिंह (रज्जू भय्या) विष्वविद्यालय, प्रयागराज, उ0प्र0
(पूर्ववर्ती इलाहाबाद राज्य विष्वविद्यालय)
Prof. Rajendra Singh (Rajju Bhaiya) University, Prayagraj, U.P.
(Formerly Allahabad State University)

एम0ए0 तृतीय सेमेस्टर
द्वितीय प्रश्न पत्र : हिन्दी साहित्य का इतिहास (भारतेन्दु युग से अब तक)

पूर्णांक 100 क्रेडिट–05

पाठ्य विषय :

- आधुनिक काल – भारतेन्दु युग, द्विवेदी युग, छायावाद, प्रगतिवाद, प्रयोगवाद, नयी कविता तथा समकालीन कविता की प्रमुख प्रवृत्तियाँ
- आधुनिक काल के प्रमुख कवियों एवं उनकी प्रमुख रचनाओं का परिचय।
- हिन्दी–गद्य की प्रमुख विधाओं (निबन्ध, कहानी,उपन्यास, नाटक) तथा गद्य की विविध नवीन विधाओं– रेखाचित्र, संस्मरण, आत्मकथा, यात्रावृत्त, रिपोर्ताज, डायरी, फीचर, साक्षात्कार, जीवनी, व्यंग्य आदि का परिचय।
- गद्य–साहित्य की विविध विधाओं के प्रमुख रचनाकार तथा उनकी प्रमुख रचनाएँ।
- हिन्दी–आलोचना के समकालीन विमर्श – स्त्री विमर्श, दलित विमर्श तथा आदिवासी विमर्श

सन्दर्भ –ग्रन्थ

1. आधुनिक हिन्दी साहित्य : डॉ0 लक्ष्मीसागर वार्ष्णेय
2. आधुनिक हिन्दी साहित्य का विकास : डॉ0 श्रीकृष्ण लाल
3. हिन्दी का सामयिक साहित्य : आचार्य विश्वनाथ प्रसाद मिश्र
4. हिन्दी साहित्य का दूसरा इतिहास : डॉ0 बच्चन सिंह
5. हिन्दी साहित्य : एक आधुनिक परिदृश्य : अज्ञेय
6. हिन्दी कथा साहित्य : गंगा प्रसाद पाण्डेय
7. नया साहित्य : नये प्रश्न : आचार्य नन्ददुलारे वाजपेयी
8. आधुनिक साहित्य : आचार्य नन्ददुलारे वाजपेयी
9. हिन्दी साहित्य और संवेदना का विकास : डॉ0 रामस्वरूप चतुर्वेदी
10. द्वितीय महायुद्धोत्तर हिन्दी साहित्य का विकास : डॉ0 लक्ष्मीसागर वार्ष्णेय
11. आधुनिक हिन्दी साहित्य की सांस्कृतिक पृष्ठभूमि : डॉ0 भोलानाथ
12. हिन्दी साहित्य का आधा इतिहास : डॉ0 सुमन राजे
13. नारी शोषण : आइने और आयाम : आशारानी ब्होरा
14. स्त्री – उपेक्षिता : प्रभा खेतान
15. स्त्री संघर्ष का इतिहास : राधा कुमार
16. दलित साहित्य का सौन्दर्यशास्त्र : ओम प्रकाश वाल्मीकि
17. दलित विमर्श की भूमिका : कॅवल भारती
18. दलित साहित्य सन्दर्भ : केशव दत्त रूबाली
19. परिधि पर स्त्री : मृणाल पाण्डेय
20. स्त्रीमुक्ति संघर्ष और इतिहास : रमणिका गुप्ता
21. हिन्दी काव्य में दलित काव्यधारा : माताप्रसाद
22. आधुनिक साहित्य में दलित विमर्श : देवेन्द्र चौबे
23. आधुनिक हिन्दी साहित्य का इतिहास : डॉ0 बच्चन सिंह

24. तब्दील निगाहें : मैत्रेयी पुष्पा
25. आदिवासी विमर्श और हिन्दी साहित्य : कुमार वीरेन्द्र
26. एक खाप चौधरी के कुछ आलोचनात्मक सूत्र : प्रो0 रमेश चन्द्र शुक्ल

प्रो0 राजेन्द्र सिंह (रज्जू भय्या) विष्वविद्यालय, प्रयागराज, उ0प्र0
(पूर्ववर्ती इलाहाबाद राज्य विष्वविद्यालय)
Prof. Rajendra Singh (Rajju Bhaiya) University, Prayagraj, U.P.
(Formerly Allahabad State University)

एम0ए0 तृतीय सेमेस्टर
तृतीय प्रश्न पत्र : भाषा विज्ञान

पूर्णांक 100 क्रेडिट–05

(अ) भाषा विज्ञान :

- भाषा विज्ञान की परिभाषा, भाषा विज्ञान के अंग।
- भाषा विज्ञान के अध्ययन की पद्धतियाँ–वर्णनात्मक, ऐतिहासिक और तुलनात्मक।
- भाषाओं का वर्गीकरण – पारिवारिक, आकृतिमूलक
- भाषा की परिभाषा, भाषा के विभिन्न रूप– भाषा, विभाषा, बोली, उपबोली, लोक भाषा।
- ध्वनि विज्ञान (स्वन विज्ञान) – उच्चारण–अवयव (वागवयव) ध्वनि–वर्गीकरण, ध्वनि–परिवर्तन कारण और दिशाएँ, ध्वनि–विश्लेषण
- रूप विज्ञान, रूप–परिवर्तन
- अर्थ विज्ञान : अर्थ की अवधारणा, शब्द और अर्थ का सम्बन्ध, अर्थ परिवर्तन कारण और दिशाएँ
- वाक्य विज्ञान–वाक्य–परिवर्तन, वाक्य के भेद, वाक्य–विश्लेषण, वाक्य –संरचना और भेद

सन्दर्भ –ग्रन्थ

1. सामान्य भाषा विज्ञान : डॉ0 बाबूराम सक्सेना
2. भाषा विज्ञान की भूमिका : डॉ0 देवेन्द्रनाथ शर्मा
3. भाषा विज्ञान : डॉ0 भोलानाथ तिवारी
4. भाषा विज्ञान : डॉ0 श्यामसुन्दर दास
5. भारत का भाषा – सर्वेक्षण : डॉ0 ग्रियर्सन
6. भाषा विज्ञान शब्द कोष : डॉ0 भोलानाथ तिवारी
7. भाषा विज्ञान और भाषा शास्त्र : डॉ0 कपिलदेव द्विवेदी
8. आधुनिक भाषा विज्ञान की भूमिका : डॉ0 मोती लाल गुप्त
9. भाषा विज्ञान और हिन्दी : डॉ0 सरयू प्रसाद अग्रवाल
10. भाषा विज्ञान और मानक हिन्दी : डॉ0 नरेश मिश्र
11. भाषा विज्ञान और हिन्दी भाषा : डॉ0 रामदरश राय
12. अर्थविज्ञान और व्याकरण दर्शन : डॉ0 कपिलदेव द्विवेदी

प्रो0 राजेन्द्र सिंह (रज्जू भय्या) विष्वविद्यालय, प्रयागराज, उ0प्र0
(पूर्ववर्ती इलाहाबाद राज्य विष्वविद्यालय)
Prof. Rajendra Singh (Rajju Bhaiya) University, Prayagraj, U.P.
(Formerly Allahabad State University)

एम0ए0 तृतीय सेमेस्टर
चतुर्थ प्रश्न पत्र : हिन्दी : भाषा एवं लिपि–पंचम एच्छिक विषय

पूर्णांक 100 क्रेडिट–05

खण्ड (क) हिन्दी भाषा

- हिन्दी भाषा : उद्भव–विकास, क्षेत्र, विविध बोलियाँ
- हिन्दी शब्द–समूह (हिन्दी की शब्द–सम्पदा) तत्सम, तद्भव, आगत एवं देशज शब्दावली
- हिन्दी के व्याकरणिक अवयव–संज्ञा, सर्वनाम, विशेषण, क्रिया, क्रिया–विशेषण, अव्यय, उपसर्ग, परसर्ग (कारक), प्रत्यय, लिंग, वचन।

खण्ड (ख) देवनागरी लिपि

- देवनागरी लिपि : उद्भव और विकास।
- देवनागरी लिपि : वैज्ञानिकता एवं विशेषताएँ
- देवनागरी लिपि : त्रुटियाँ और सुधार के उपाय, मानकीकरण

हिन्दी की एतिहासिक पृष्ठ भूमि, प्रचीन भारतीय आर्य भषाएँ, मध्यकालीन आर्य भाषाएँ और उनकी विशेषताएँ, आधुनिक भारतीय आर्य भाषाएँ एवं उनका वर्गीकरण, हिन्दी का भौगोलिक विस्तार, हिन्दी की उप भाषाएँ तथाउनकी बोलियाँ, खड़ी बोली, मानक भाषा, राष्ट्र भाषा, राज भाषा, हिन्दी एवं कम्प्यूटर, हिन्दी की संवैधानिक स्थिति

सन्दर्भ –ग्रन्थ

1. हिन्दी भाषा और लिपि का ऐतिहासिक विकास : डॉ0 सत्यनारायण त्रिपाठी
2. हिन्दी भाषा का इतिहास : डॉ0 धीरेन्द्र वर्मा
3. हिन्दी : उद्भव और विकास : डॉ0 हरदेव बाहरी
4. हिन्दी भाषा : उद्भव और विकास : डॉ0 उदयनारायण तिवारी
5. हिन्दी भाषा का विकास : डॉ0 श्यामसुन्दर दास
6. हिन्दी भाषा : डॉ0 कैलाश चन्द्र भाटिया
7. हिन्दी भाषा : डॉ0 भोलानाथ तिवारी
8. हिन्दी भाषा का विकास : डॉ0 देवेन्द्रनाथ शर्मा
9. नागरी लिपि और उसकी समस्याएँ : डॉ0 नरेश मिश्र
10. हिन्दी भाषा और नागरी लिपि : लक्ष्मीकान्त वर्मा
11. हिन्दी भाषा का विकास : डॉ0 शिवमूर्ति शर्मा
12. हिन्दी की शब्द सम्पदा : डॉ0 विद्यानिवास मिश्र
13. भाषा विज्ञान और हिन्दी भाषा : डॉ0 रामदरश राय
14. हिन्दी शब्दानुशासन : डॉ0 किशोरीदास बाजपेयी
15. हिन्दी व्याकरण : कान्ता प्रसाद गुप्त
16. सामान्य हिन्दी : डॉ0 शिवमूर्ति शर्मा
17. हिन्दी भाषा और व्याकरण : वासुदेवनन्दन प्रसाद

प्रो0 राजेन्द्र सिंह (रज्जू भय्या) विष्वविद्यालय, प्रयागराज, उ0प्र0
(पूर्ववर्ती इलाहाबाद राज्य विष्वविद्यालय)
Prof. Rajendra Singh (Rajju Bhaiya) University, Prayagraj, U.P.
(Formerly Allahabad State University)

पंचम ऐच्छिक विषय (Subject Elective)

एम0ए0 तृतीय सेमेस्टर

चतुर्थ प्रश्न पत्र

हिन्दी अनुवाद

पूर्णांक 100 क्रेडिट–05

इकाई– 1 :

- अनुवाद के सैद्धांतिक आयाम
- अनुवाद : अर्थ, स्वरूप और विस्तार
- अनुवाद और भाषा का संबंध
- स्रोतभाषा और लक्ष्य भाषा से अभिप्राय
- अनुवाद की प्रासंगिकता

इकाई– 2 :

- अनुवाद की प्रक्रिया
- अनुवाद के क्षेत्र एवं प्रकार
- अनुवाद की सीमाएँ एवं समस्याएँ

इकाई– 3 :

- अनुवाद पुनरीक्षण–मूल्यांकन
- तत्काल भाषांतरण : अर्थ, स्वरूप और प्रक्रिया
- अनुवाद और तत्काल भाषांतरण में अंतर

इकाई– 4 :

- साहित्यिक अनुवाद : काव्यानुवाद एवं गद्यानुवाद
- कार्यालयी अनुवाद
- मीडिया और अनुवाद
- बैंक, बीमा, वित्त और वाणिज्य में अनुवाद

प्रस्तावित पुस्तकें :

1. अनुवाद साधना : पूरनचंद टंडन
2. सृजनात्मक साहित्य और अनुवाद : संपा0 सुरेश सिंघल, पूरनचंद टंडन
3. अनुवाद विज्ञान : सिद्धांत और अनुप्रयोग : नगेंद्र
4. अनुवाद शतक–1 : संपा0 पूरनचंद टंडन
5. अनुवाद शतक–2 : संपा0 पूरनचंद टंडन
6. कम्प्यूटर अनुवाद : पूरनचंद टंडन

एम0ए0 तृतीय सेमेस्टर
पंचम प्रश्न पत्र – छठा इलेक्टिव

पूर्णांक 100 क्रेडिट–04

भाषा के उदभव एवं विकास, लिपि के उदभव एवं विकास, देवनागरी लिपि की वैज्ञानिकता, भाषा एवं समाज, भाषा एवं संस्कृति, भाषा के विविध रूप, हिन्दी की संवैधानिक स्थिति आदि विषयों पर लघु शोघ प्रबंध जमा कराना।

अथवा

अनुवाद के उपर सात दिन या 15 दिन कार्यशाला का आयोजन कराना। किसी भी अन्य भारतीय भाषाओं के कृति का विद्यार्थियों में बांटकर छोटे छोटे अनुवाद की प्रक्रिया से रूबरू कराते हुए अनुवाद करवाना अनुवाद के लिये प्रेरित करना। अनुवाद पर कम से कम 05 सेमिनार आयोजित कराना।

प्रो0 राजेन्द्र सिंह (रज्जू भय्या) विष्वविद्यालय, प्रयागराज, उ0प्र0
(पूर्ववर्ती इलाहाबाद राज्य विष्वविद्यालय)
Prof. Rajendra Singh (Rajju Bhaiya) University, Prayagraj, U.P.
(Formerly Allahabad State University)

एम0ए0 चतुर्थ सेमेस्टर
प्रथम प्रश्न पत्र : आधुनिक काव्य (छायावाद तक)

पूर्णांक 100 क्रेडिट–05

निर्धारित कवि और काव्य :

1. मैथिलीशरण गुप्त : 'साकेत' – नवम सर्ग
2. जयशंकर प्रसाद : 'कामायनी' – श्रद्धा
3. सूर्यकान्त त्रिपाठी 'निराला' : दो कविताएँ – राम की शक्ति पूजा, सरोज स्मृति
4. सुमित्रानन्दन पन्त : तीन कविताएँ – परिवर्तन और प्रथम रश्मि

पाठ्यपुस्तक : आधुनिक काव्य : प्रतिनिधि रचनाएँ

सम्पादक :

1. सम्पादक– डॉ0 आशुतोष कुमार सिंह, अध्यक्ष, हिन्दी विभाग, प्रो0 राजेन्द्र सिंह (रज्जू भय्या) विश्वविद्यालय, प्रयागराज।
2. सह–सम्पादक–डॉ0 अल्का मिश्रा एवं डॉ0 राधेश्याम सिंह
   प्रकाशक– लोक भारती प्रकाशन

सन्दर्भ –ग्रन्थ

1. हिन्दी साहित्य : बीसवीं शताब्दी : आचार्य नन्ददुलारे वाजपेयी
2. हिन्दी साहित्य : आधुनिक परिदृश्य : अज्ञेय
3. आधुनिक साहित्य : आचार्य नन्ददुलारे वाजपेयी
4. आधुनिक साहित्य की प्रवृत्तियाँ : डॉ0 नामवर सिंह
5. छायावाद : डॉ0 नामवर सिंह
6. छायावाद : विश्लेषण और मूल्यांकन : डॉ0 दीनानाथशरण
7. छायावादी कवि और काव्य : डॉ0 श्रीदेवी खरे
8. छायावादी कवियों का सौन्दर्य–विधान : डॉ0 सूर्यप्रसाद दीक्षित
9. छायावाद का काव्य–शिल्प : डॉ0 प्रतिमा कृष्णबल
10. छायावाद का सौन्दर्यशास्त्रीय अध्ययन : डॉ0 कुमार विमल
11. मैथिलीशरण गुप्त : व्यक्तित्व और काव्य : डॉ0 कमलाकान्त पाठक
12. साकेत : रूप – स्वरूप : डॉ0 शिवमूर्ति शर्मा
13. मैथिलीशरण गुप्त : कवि और भारतीय संस्कृति के आख्याता : डॉ0 उमाकान्त
14. खड़ी बोली के उत्कर्ष में मैथिलीशरण गुप्त का योगदान : डॉ0 सहदेव शर्मा
15. साकेत : एक अध्ययन : डॉ0 नगेन्द्र
16. प्रसाद का काव्य : डॉ0 प्रेम शंकर

17. जयशंकरप्रसाद : वस्तु और कला : डॉ0 रामेश्वरलाल खण्डेलवाल
18. कामायनी में काव्य, संस्कृति और दर्शन : डॉ0 द्वारिका प्रसाद सक्सेना
19. कामायनी का शैली वैज्ञानिक अध्यन : डॉ0 सुरेन्द्र दुबे
20. कामायनी के अध्ययन की समस्याएँ : डॉ0 नगेन्द्र
21. भारतीय महाकाव्यों की परम्परा में कामायनी : डॉ0 विद्या टोपा
22. जयशंकर प्रसाद : आचार्य नन्ददुलारे वाजपेयी
23. महाप्राण निराला : डॉ0 गंगा प्रसाद पाण्डेय
24. निराला की साहित्य साधना : डॉ0 रामविलास शर्मा
25. विश्व – कवि निराला : डॉ0 बुद्धसेन नीहार
26. क्रान्तिकारी कवि निराला : डॉ0 बच्चन सिंह
27. कवि निराला : आचार्य नन्ददुलारे वाजपेयी
28. निराला : आत्महंता आस्था : डॉ0 दूधनाथ सिंह
29. निराला : डॉ0 परमानन्द श्रीवास्तव
30. प्रसाद, निराला और अज्ञेय : डॉ0 रामस्वरूप चतुर्वेदी
31. सुमित्रानन्दन पन्त : (सं0) सदानन्द प्रसाद गुप्त
32. सुमित्रानन्दन पन्त : डॉ0 नगेन्द्र
33. ज्योति–विहग : शान्तिप्रिय द्विवेदी
34. पन्त का काव्य : डॉ0 प्रेमलता बाफना
35. सुमित्रानन्दन पन्तः जीवन और साहित्य : डॉ0शान्ति जोशी
36. पन्त, प्रसाद और मैथिलीशरण गुप्त : डॉ0 रामधारी सिंह 'दिनकर'
37. त्रयी : आचार्य जानकीबल्लभ शास्त्री
38. प्रसाद, निराला, अज्ञेय : डॉ0 रामस्वरूप चतुर्वेदी
39. साकेत : एक अध्ययन : डॉ0 नगेन्द्र

एम0ए0 चतुर्थ सेमेस्टर
द्वितीय प्रश्न पत्र : छायावादोत्तर काव्य

पूर्णांक 100 क्रेडिट–05

निर्धारित कवि और काव्य :

1. सच्चिदानन्द हीरानन्द वात्स्यायन 'अज्ञेय' : 'आसाध्य वीणा' कविता
2. गजानन माधव मुक्तिबोध : 'अंधेरे में' कविता
3. नागार्जुन : बादल को घिरते देखा है, पछाड़ दिया मेरे आस्तिक ने, बहुत दिनों के बाद
4. रामधारी सिंह दिनकर : कुरूक्षेत्र

पाठ्यपुस्तक : छायावादोत्तर काव्य : प्रतिनिधि रचनाएँ

सम्पादक :

1. सम्पादक– डॉ0 आशुतोष कुमार सिंह, अध्यक्ष, हिन्दी विभाग, प्रो0 राजेन्द्र सिंह (रज्जू भय्या) विश्वविद्यालय, प्रयागराज।
2. सह सम्पादक– डॉ0 कुमार वीरेन्द्र
   प्रकाशक– लोक भारती प्रकाशन

सन्दर्भ –ग्रन्थ

1. कविता के नये प्रतिमान : डॉ0 नामवर सिंह
2. चालीसोत्तर हिन्दी कविता के हीरक हस्ताक्षर : डॉ0 दुर्गाप्रसाद ओझा, डा0 मधु खन्ना
   : डॉ0 इला सुकुमार
3. अज्ञेय : व्यक्तित्व विभास : डॉ0 दुर्गा प्रसाद ओझा
4. अज्ञेय कवि : डॉ0 ओम प्रकाश अवस्थी
5. अज्ञेय की कविता : डॉ0 चन्द्रकान्त वान्दिवडेकर
6. अज्ञेय सृजन और सन्दर्भ : डॉ0 सावित्री मिश्र
7. अज्ञेय : चेतना के सीमान्त : डॉ0 ज्वाला प्रसाद खेतान
8. अज्ञेय साहित्य : प्रयोग और मूल्यांकन : डॉ0 केदारनाथ शर्मा
9. पंत सहचर : अशोक वाजपेयी
10. मुक्तिबोध : डॉ0 विश्वनाथ प्रसाद तिवारी
11. मुक्तिबोध : विचारक, कवि और कथाकार : डॉ0 सुरेन्द्र प्रताप
12. मुक्तिबोध : डॉ0 लक्ष्मणदत्त गौतम
13. मुक्तिबोध की काव्य कला : डॉ0 अचला तिवारी
14. मुक्तिबोध :युगचेतना और अभिव्यक्ति : डॉ0 आलोक गुप्त
15. आत्मसंघर्ष की कविता और मुक्तिबोध : डॉ0 हंसराज त्रिपाठी
16. अज्ञेय कवि : डॉ0 ओम प्रकाश अवस्थी
17. कवियों का कवि शमशेर : रंजना अरगड़े
18. नागार्जुन की काव्ययात्रा : डॉ0 रतनकुमार पाण्डेय
19. फिलहाल : अशोक वाजपेयी
20. डॉ0 धर्मवीर भारती : व्यक्ति और साहित्यकार : पुष्पा भास्कर

प्रो0 राजेन्द्र सिंह (रज्जू भय्या) विष्वविद्यालय, प्रयागराज, उ0प्र0
(पूर्ववर्ती इलाहाबाद राज्य विष्वविद्यालय)
Prof. Rajendra Singh (Rajju Bhaiya) University, Prayagraj, U.P.
(Formerly Allahabad State University)

सामान्य ऐच्छिक पाठ्यक्रम (Generic Elective Course)
एम0ए0 चतुर्थ सेमेस्टर
तृतीय प्रश्न पत्र : हिंदी सृजनात्मक लेखन

पूर्णांक 100 क्रेडिट–04

इकाई– 1 :

- सृजनात्मक लेखन : काव्य एवं गद्य का संदर्भ
- सृजनात्मक लेखन से अभिप्राय : स्वरूप एवं आयाम
- गीत लेखन, मुक्तक लेखन, लंबी कविता–लेखन, प्रबंध–लेखन
- लघुकथा, कहानी, एकांकी, नाटक, उपन्यास आदि के लेखन की प्रविधि एवं प्रक्रिया

इकाई– 2 :

- मीडिया एवं फीचर लेखन में सृजनात्मक अपेक्षा तथा आयाम
- प्रिंट एवं दृश्य–श्रव्य माध्यमों के लिए लेखन के क्षेत्र एवं विस्तार
- मीडिया लेखन में सृजनशीलता का वैशिष्ट्य
- फीचर लेखन से अभिप्राय : स्वरूप, महत्व और क्षेत्र
- फीचर लेखन की रचना–प्रक्रिया

इकाई– 3 :

- रेडियो–टी0वी0 लेखन और सृजनात्मकता
- रेडियो–टी0वी0 : बच्चों के लिए सृजनात्मक लेखन
- रेडियो–टी0वी0 : प्रहसन, एकांकी और नाट्य–लेखन
- हास्य व्यंग्य एवं मनोरंजन विषयक लेखन और सृजनशीलता

इकाई–4 :

- गद्य की विभिन्न विधाओं का लेखन और सृजनशीलता
- कहानी लेखन और सृजनात्मकता
- संस्मरण, रेखाचित्र लेखन और सृजनधर्मिता
- संवाद–लेखन और सृजन–धर्म
- साक्षात्कार प्रविधि और सृजनात्मक बोध

प्रस्तावित पुस्तकें :

1. मीडिया लेखन कला : सूर्यप्रसाद दीक्षित, पवन अग्रवाल
2. हिंदी पत्रकारिता के विविध आयाम : वेदप्रताप वैदिक
3. फीचर लेखन : पूरनचंद टंडन, सुनील तिवारी
4. सूचना प्रौद्योगिकी, हिंदी और अनुवाद : संपा0 नीता गुप्ता, पूरनचंद टंडन
5. सृजनात्मक साहित्य और अनुवाद : सुरेश सिंहल, पूरनचंद टंडन

प्रो0 राजेन्द्र सिंह (रज्जू भय्या) विष्वविद्यालय, प्रयागराज, उ0प्र0
(पूर्ववर्ती इलाहाबाद राज्य विष्वविद्यालय)
Prof. Rajendra Singh (Rajju Bhaiya) University, Prayagraj, U.P.
(Formerly Allahabad State University)

सामान्य ऐच्छिक पाठ्यक्रम (Generic Elective Course)
एम0ए0 चतुर्थ सेमेस्टर
तृतीय प्रश्न पत्र : हिन्दी सिनेमा और साहित्य

पूर्णांक 100 क्रेडिट–04

इकाई– 1.

- सिनेमा का स्वरूप
- सिनेमा का उद्भव
- कैमरे की भूमिका
- दर्शक और स्क्रीन का संबंध

इकाई– 2.

- सिनेमा का इतिहास
- सिनेमा का आरंभिक युग
- सन साठ के बाद का न्यू वेब सिनेमा

इकाई– 3.

- हिंदी सिनेमा : समाज और संस्कृति–बालमनोविज्ञान और सिनेमा स्त्री–विमर्श और सिनेमा
- सांस्कृतिक विमर्श और सिनेमा
- राष्ट्रीयता और सिनेमा

इकाई– 4.

- सिनेमा और साहित्य का संबंध, साहित्यिक कृतियों पर बनी हिंदी फिल्में, विशेष अध्ययन : गोदान, शतरंज के खिलाड़ी, तीसरी कसम, रजनीगंधा

प्रस्तावित पुस्तकें :

- लेखक का सिनेमा : कुंवर नारायण
- पटकथा लेखन : मनोहर श्याम जोशी
- Film Theory : An Introduction Through the Senses, by Thomas Elsaesser and Malte Hagener
- हिंदी सिनेमा सदी का सफर : अनिल भार्गव
- साहित्य, सिनेमा और समाज : पूरनचंद टण्डन, सुनील कुमार तिवारी
- भारतीय सिनेमा का सफरनामा : संपा0 जयसिंह
- समय, सिनेमा और इतिहास : संजीव श्रीवास्तव

सिनेमा का जादुई सफर : प्रताप सिंह

एम0ए0 चतुर्थ सेमेस्टर
पंचम प्रश्न पत्र : दीर्घ शोघ परियोजना

पूर्णांक 100 क्रेडिट–10

दीघ शोघ परियोजना के विषय हिन्दी साहित्य के आदिकाल से लेकर आधुनिक काल तक संपूर्ण साहित्यिक विद्या होगा। शिक्षक किसी मौलिक विषय पर भी शोध का कार्य दे सकते है। विद्यार्थियों के शोध परियोजना में उद्धृरित सामग्री सन्दर्भ पद टिप्पणी, सन्दर्भ ग्रन्थावली, अनुसंधान क्रियाविधि आदि का समावेश हो।

शोध परियोजना का विषय अन्तरअनुशासनिक भी हो सकते है। शोध परियोजना का विषय नवीन, मौलिक और प्रासंगिक होना चाहिऐ।